



न्यायालय माननीय उच्च न्यायालय मंडल मं० १० जवाहरपट्ट

प्र. क्र.

116 रेगिस्ट्रेशन-830 PBR-16

श्री सुरेश चं. बनाम काशीराम
द्वारा आज दि. 9.3.16 को
परचुत

बदल
9.3.16

1 सुरेश चं. बनाम काशीराम - आवेदन
श्री वी.एस. आर्षी नि. जाधी नगर
जवाहरपट्ट

2 मं० १० शासन - जन आवेदन
द्वारा कलम 22 संवैधानिक
जवाहरपट्ट कापी

आवेदन वास्तु पुनर्स्थापन

श्रीमान्, आवेदन का प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार है।

1 यह कि, माननीय न्यायालय के समक्ष एक प्रकरण
आज दि. 9.3.16 प्र० क्र० 191 PBR/2015 बलुवमान
सुरेश बनाम शासन तर्क हेतु निपट था पर-तु प्राची
अधिकालक माननीय उच्च न्यायालय में चरित होने के
व्यवहार माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो
सके। माननीय न्यायालय के उक्त फैसले पर शीट
से सम्पर्क करते पर ज्ञात हुआ कि प्रकरण अप्रति
पैरवी में निरस्त हो चुका है। प्राची व उसके
अधिकालक का दायरा माननीय न्यायालय के समक्ष
अनुपस्थित रहने का नहीं था। प्राची व उनके अधिकालक
की अनुपस्थिति वसुधैव कुटुम्बकम् पर आधारित होने पर
प्रकरण पुनः नंबर पर लिये जाना-भाषा किया है।

इसलिए निवेदन है कि प्रार्थना पत्र
स्वीकार कर प्र० क्र० 191 PBR/2015 - व उनमान
सुरेश बनाम शासन अनुपस्थित (नंबर फ्लोते की) किया
जाए।

दि. 9.3.16

प्रार्थी
सुरेश चं. बनाम काशीराम
द्वारा आर्षी
S. P. S. Ranchur, D.

R 830. P.M. / 16 2 वरिष्ठ

10/3/16

आवेदक अभिभाषक श्री ^{and} प्रस्तुतकार
उपस्थित। अनारवेदक द्वारा श्री अमिल शंकरातप
अणसरीय अभिभाषक उपस्थित। आवेदक अभि.
का वे.सं. आवेदन पर सुना गया। कारण
समाधान कारक होने से प्रकरण रीटर्ड किया
जाल है। मूल प्र.व. R 191 PBR/15 नंबर पर
लिया जाये। कोई कार्यवाही शेष न होने से प्रकरण समाप्त
किया जाल है।

अध्यक्ष

Noted
10-3-16

An
10/3/16
अध्यक्ष

[पीछे देखिये]